

03-10-23 आज पत्रिका पेश करी ~~के~~

आज इस प्रकारके अंकित हुए

पद प्रविष्टि / वाणी ग्रन्थपदके वाक्य

पर जोत प्रसेस में स्वारीय छिप  
जाया है। अतः इस प्रकार में अग्रिम  
कुत्रकार का कोई भी पत्रिका नहीं रहे  
जाया है। पत्रिका जोत प्रसेस में  
स्वारीय भी जाती है। फेब्रुवारी मा. (द्वैत)  
वर्ष के अन्त में बाद लक्ष्मी लक्ष्मी  
सूत्र कह रहे सुनाया गया।

अपराधिकारी  
मुड़ापर (अलवर) राज०